University in News on 31 March 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि के चार शोधार्थियों को जेआरएफ में सफलता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) के प्राचीन भारतीय इतिहास व पुरातत्व विभाग के चार शोधार्थियों ने मार्च 2025 की भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति (जेआरएफ) परीक्षा पास की है। सफल शोधार्थियों में सृष्टि पांडेय, दूसरे शोधार्थी सुधीर, तीसरे शोधार्थी विवेक कुमार और रंजना गौतम शामिल हैं। इस उपलब्धि पर शिक्षकों ने शोधार्थियों को बधाई दी है। (संवाद)

NBT PAGE 5

LU के संस्कृत विभाग ने तैयार किया कैलेंडर

■ **NBT** रिपोर्ट, लखनऊः नवरात्र के मौके पर लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से विक्रम संवत कैलेंडर लॉन्च किया गया है। कैलेंडर की खास बात यह है कि इसमें दिन तिथि के साथ पंचांग को भी शामिल किया गया है। इससे किस दिन कौन सा योग है क्या नक्षत्र हैं यह सब लोग खुद ही देख सकेंगे। विवि के संस्कृत व ज्योतिर्विज्ञान विभाग के डॉ. सत्यकेतु और प्रफेसरों ने मिलकर इसे तैयार किया है। एलयू की वेबसाइट पर इसे अपलोड किया गया है।

DAINIK JAGRAN PAGE 5

चार शोधार्थी जेआरएफ परीक्षा में सफल

जासं • लखनऊः लवि के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के चार शोधार्थियों ने मार्च 2025 की भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आइसीएचआर) की जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) परीक्षा उत्तीर्ण की है। यह शोध फेलोशिप इतिहास के क्षेत्र में मौलिक शोध के लिए दी जाती है। पूरे देश में 80 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए हैं, जिसमें से चार लवि के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग से हैं।

इन चार शोधार्थियों में सृष्टि पांडेय ने विभाग से ही परास्नातक की पढ़ाई की। वे वर्तमान में प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में 'श्रमण परंपरा का उद्भव और विकास (आरंभिक काल से 550 ई तक)', शोधार्थी सुधीर चंद प्रो. अर्चना मिश्रा के निर्देशन में 'द फार्मेशन आव स्टेट इन अर्ली इंडिया और तीसरे शोधार्थी विवेक कुमार मिश्र प्रो. पीयूष भार्गव के निर्देशन में 'धर्म और राजनीति : प्राचीन भारतीय राजनीति में धर्म और उसका प्रभाव विषय पर शोध कर रहे। विभाग की एक पूर्व परास्नातक विद्यार्थी रंजना गौतम ने भी यह परीक्षा पास की है। वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ईश्वर शरण महाविद्यालय में 'थेरीगाथा : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषय पर शोध कार्य कर रही हैं।

PIONEER PAGE 3

चार शोधार्थियों ने पास की कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति परीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के चार शोधार्थियों ने मार्च 2026 की भारतीय इतिहास अनुसन्धान परिषद् की कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण की है। यह शोध अध्येतावृत्ति, इतिहास के क्षेत्र में मौलिक शोध हेतु प्रदान की जाती है। मार्च 2025 में आयोजित इस परीक्षा में पूरे देश में कुल 80 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए हैं, जिसमें से चार शोधार्थी लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग से हैं।

इन चार शोधार्थियों में सृष्टि पाण्डेय ने विभाग से ही परास्नातक की पढ़ाई की। वे वर्तमान में प्रो दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में श्रमण परंपरा का उद्भव और विकास (आरम्भिक काल से 550 ई. तक) विषय पर शोध कर रही हैं। दूसरे शोधार्थी सुधीर चन्द हैं, जो प्रो अर्चना मिश्रा के निर्देशन में द फ़ार्मेशन ऑव स्टेट इन अर्ली इण्डिया (फ्रॉम द वैदिक टाइम्स टू द फ़ॉल ऑव द मौर्या) विषय पर शोध कर रहे हैं। तीसरे शोधार्थी विवेक कुमार मिश्र हैं, जो प्रो पीयूष भार्गव के निर्देशन में धर्म और राजनीति : प्राचीन भारतीय राजनीति में धर्म और उसका प्रभाव (छठी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईसवी तक) विषय पर शोध कर रहे हैं। उन्होंने यूजीसी नेट परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। वह विभाग के परास्नातक विद्यार्थी रहे हैं।

विभाग की एक पूर्व परास्नातक विद्यार्थी, रंजना गौतम, ने भी भारतीय इतिहास अनुसन्धान परिषद् की कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति की मार्च 2025 की परीक्षा उत्तीर्ण की है। वे वर्तमान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ईश्वर शरण महाविद्यालय में थेरीगाथा : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन विषय पर शोध कार्य कर रही हैं। इससे कुछ ही समय पूर्व विभाग के दो विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। प्राचीन इतिहास के विद्यार्थी के पास विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति हेतु इतिहास, पुरातत्व, एवं भारतीय संस्कृति के विकल्प उपलब्ध होते हैं। विभाग के एक मेधावी शोधार्थी, अभिषेक कुमार विमल, ने दिसम्बर 2023 में पुरातत्व से, और दिसम्बर 2024 में भारतीय संस्कृति से यूजीसी कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान में वह पुरातत्व से यूजीसी कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति प्राप्त कर रहे हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 8

लविवि के छात्र इतिहास पर करेंगे मौलिक शोध

अरिंदम चतुर्वेदी ने स्नातक 8वें सेमेस्टर में ही जेआरएफ उत्तीर्ण कर रचा इतिहास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इतिहास पर मौलिक शोध के लिए मिलेगी फेलोशिप
- उत्तीर्ण 80 छात्रों में चार लविवि के

सुधीर चंद्र | रंजना गौतम | सृष्टी पाण्डेय | विवेक कुमार मिश्र | अरिंदम चतुर्वेदी

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के 4 छात्रों का चयन भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् (आईसीएचआर) की जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए किया गया है। प्राचीन भारतीय इतिहास व पुरातत्व विभाग के 4 शोधार्थियों ने देश के कुल 80 प्रतियोगी छात्रों के बीच अपना स्थान सुनिश्चित किया है। यह फेलोशिप इतिहास के क्षेत्र में मौलिक शोध के लिए भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद देता है।

इन चार शोधार्थियों में सृष्टि पाण्डेय ने विभाग से ही परास्नातक की पढ़ाई की। वे वर्तमान में प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में 'श्रमण परंपरा का उद्भव और विकास (आरम्भिक काल से 550 ई तक)' विषय पर शोध कर रही हैं। दूसरे शोधार्थी सुधीर चंद हैं, जो प्रो. अर्चना मिश्रा के निर्देशन में 'द फ़ार्मेशन ऑव स्टेट इन अर्ली इण्डिया (फ़्राम द वैदिक टाइम्स टू द फ़ाल ऑव द मौर्याज़)' विषय पर शोध कर रहे हैं। तीसरे शोधार्थी विवेक कुमार मिश्र हैं, जो प्रो. पीयूष भार्गव के निर्देशन में 'धर्म और राजनीति प्राचीन भारतीय राजनीति में धर्म और उसका प्रभाव (छठी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईसवी तक)' विषय पर शोध कर रहे हैं। वह विभाग के परास्नातक विद्यार्थी रहे हैं। विभाग की पूर्व परास्नातक विद्यार्थी, रंजना गौतम ने भी भारतीय इतिहास अनुससंधान परिषद की कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

विभाग के स्नातक के एक विद्यार्थी अरिंदम चतुर्वेदी ने स्नातक आठवें सेमेस्टर में ही यूजीसी कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति की परीक्षा उत्तीर्ण करके इतिहास रचा है। प्रो. प्रशान्त श्रीवास्तव ने बताया कि ये सभी छात्र उनके मार्गदर्शन में अन्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों से भी ऑनलाइन सुझाव प्राप्त करते रहते हैं।

लविवि की छात्रा ने राष्ट्रीय युवा संसद में फहराया परचम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

राष्ट्रीय युवा संसद में बोलतीं इला मिश्रा।

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्रा ने राष्ट्रीय युवा संसद में भारतीय संविधान पर धाराप्रवाह अपना विचार प्रस्तुत किया है। केंद्र सरकार के खेल एवं युवा मंत्रालय की ओर से युवा संसद का आयोजन किया गया था। जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय की एमए भूगोल दूसरे सेमेस्टर की छात्रा निवेदिता छात्रावास की इला मिश्रा ने भाग लिया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश के लिए अपने विचार और सपने व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

उल्लेखनीय है कि इस महोत्सव का आयोजन विभिन्न स्तरों पर किया जाता है। जिसमें जिला, मंडल, राज्य स्तर पर चयनित होने के बाद राष्ट्रीय संसद में भाग लेने के लिए युवाओं को आमंत्रित किया जाता है। इला मिश्रा ने 16 मार्च को जिला स्तर, 21 मार्च को मंडल स्तर और 28 मार्च व 29 मार्च को राज्य स्तर पर भाग लिया। जहां उन्होंने जिला स्तर पर 'विकसित भारत की संकल्पना' तथा मंडल स्तर पर 'एक देश एक चुनाव' विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके पश्चात वे राज्य स्तर पर पहुंचीं। जहां उन्हें विधानसभा में अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला था। विधानसभा में चर्चा का विषय 'भारतीय संविधान के 75 वर्ष अधिकार, कर्तव्य तथा प्रगति' था।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 7

युवा संसद में इला ने ओजपूर्ण विचार व्यक्त किये

लविवि की छात्रा इला मिश्रा को कुलपति ने दी बधाई

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। खेल एवं युवा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा युवा संसद का आयोजन किया, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्रा (एम.ए. भूगोल सेमेस्टर द्वितीय) तथा निवेदिता छात्रावास की छात्रावासी छात्रा इला मिश्रा ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश के लिए अपने विचार, राय तथा सपने व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। महोत्सव का आयोजन विभिन्न स्तरों पर किया जाता है: जिला, मंडल, राज्य तथा राष्ट्रीय।

इला मिश्रा ने 16 मार्च को जिला स्तर, 21 मार्च को मंडल स्तर तथा 28 मार्च एवं 29 मार्च को राज्य स्तर पर सफलतापूर्वक भाग लिया, जहां उन्होंने जिला स्तर पर 'विकसित भारत की संकल्पना' तथा मंडल स्तर पर 'एक देश एक चुनाव' विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इसके पश्चात वे राज्य स्तर पर पहुंचीं, जहां उन्हें विधानसभा में अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला। विधानसभा में चर्चा का विषय 'भारतीय संविधान के 75 वर्षः अधिकार, कर्तव्य तथा प्रगति' था। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष, कई विधायक, मंत्री और विधान सभा के एमएलसी सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

युवा संसद में इला मिश्रा की भागीदारी लखनऊ विश्वविद्यालय और निवेदिता हॉल के लिए गर्व की बात है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने इला मिश्रा को कार्यक्रम के लिए बधाई दी तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

TOI PAGE 3

4 LU scholars get JRF in history

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Four research scholars from the Lucknow University's department of ancient Indian history and archaeology have cracked the national level junior research fellowship examof the Indian Council of Historical Research for Mar 2026, on Sunday.

"This research fellowship is awarded for original research in the field of history. A total of 80 candidates were declared successful in this examination conducted in March 2025 across the country, out of which four researchers are from LU's AIH and archaeology department," said LU spokesperson Durgesh Srivastava, who is also a professor in the department. He said that among the selected researchers, Srishti Pandey is pursuing a PhD under his supervision on the topic 'Origin and Development of Shramana Tradition (from the early period to 550 AD)', while Sudhir Chand is conducting research on the 'Formation of State in Early India (From the Vedic Times to the Fall of the Mauryas)'."Vivek Kumar Mishra is researching on 'Dharma and Politics: Religion and its Influence in Ancient Indian Politics (from the sixth century BC to the sixth century AD)'. A former PG student of the department, Ranjana Gautam, also has cleared the exam, is currently doing research work on 'Therigatha: An Analytical Study' at Ishwar Sharan College of Allahabad University," he said.